कड़वे कथन

जो जीना सीखा देंगे

राघव अरोड़ा

कड़वे कथन

जो जीना सीखा देंगे

राघव अरोड़ा

प्रिय मित्र,

जिंदगी में हम जब भी आगे बढ़ने की सोचते हैं, तो हमें हौसला बढ़ाने वाले कम मिलते हैं और पीछे खींचने वाले ज्यादा| इसी कारण से हम जब लोगों की परवाह करने लगते हैं तो अपनी जिंदगी जीना भूल जाते हैं, और हमें एहसास होता है जिनके लिए हमने दिन रात एक किया, जिसे आगे बढ़ने में हमेशा मदद की, जब उनकी जरूरत हमें पड़ी, तो वे अनजान लोगों की तरह पेश आने लगे,

जी हां, ये ही ज़माने की फितरत है, जब तक आपसे फायदा मिलता रहेगा, सभी आपके लिए मौजूद होंगे, लेकिन जब आपको जरूरत होगी तो,

आज़मा कर जरूर देखिएगा. असलियत सामने आ जाएगी,

और ऐसे ही अनेक घटनाओं से सबक लेकर मैंने इस पुस्तक में ऐसे ऐसे सबक का संकलन किया है, जो आपको लोगों की असलियत सामने ला देगा.

आप सोचने पर मजबूर हो जायेंगे कि क्या ऐसे भी होता है ?

जी हां, जीवन की कड़वी सच्चाइयों से रूबरू करने वाली इस पुस्तक में आपको मिलेंगे कड़वे कथन, जो जीना सीखा देंगे.

और आप सीखेंगे कैसे मतलबी लोगों से दूर रहा जाता है, और धोखेबाजों को उन्हीं की जुबां में जवाब दिया जाता है,

जीवन में जब कोई चुनौती आएगी तो इसे गौर से पढ़ लें,

हल मिल जाएगा.

दुनिया बेहद निर्दयी है, और कोई किसी को धोखा देने में, उसका फायदा उठाने में कभी पीछे नहीं हट ता, लेकिन यदि आप इन जीवन के कटु अनुभवों का सार जान जायेंगे तो आपको जीवन जीने में आसानी होगी,

जिंदगी में आगे बढ़ने के हमें नित नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, हर दिन, हर पल, आपके लिए एक नयी जंग है, इसे हमें धैर्य, संयम और सूझबूझ से हर कदम सोच समझ कर रखना होता है

मैंने इस में जिंदगी के हर पहलू पर प्रकाश डालने वाले प्रेरणास्पद वाक्यों को संकलित किया है.

आम जिंदगी में आगे बढ़ने और सफलता पाने के लिए ये एक प्रेरक की भूमिका निभाएंगे.

इस पुस्तक में संकलित वाक्यों में यदि एक भी आप के काम आये, तो मैं इस संकलन का उद्देश्य पूर्ण मानूंगा

मैं अपनी यह पुस्तक स्वर्गीय श्री परमानंद गाबा (दादाजी), स्वर्गीय शान्ति देवी (दादी जी), स्वर्गीय श्रीमती अनुराधा रानी अरोड़ा (माता जी), स्वर्गीय शैलेंद्र शंकर अरोड़ा(बड़े भाई) एवं अपने पिताजी स्वर्गीय श्री निरंजन दास अरोड़ा को समर्पित करता हूं। इन सब की बदौलत ही मैं जो कुछ भी कर पा रहा हूं, वह कर पा रहा हूं। ये सभी मेरी जिंदगी का एक अटूट हिस्सा हैं और मेरे प्रेरणास्रोत हैं।

शुभकामनाएं।

राघव अरोरा

कड़वे कथन

जो जीना सीखा देंगे

मैं ऐसे मुश्किल हालातों में खुद को कोशिश करके पूरी तरह थकाना पसंद करूंगा , जो मुझे सफलता देते हैं बजाए आरामपरस्ती से समय बिताने के, जो मुझे असफलता की ओर ले जाएं।

अब खुद को रोकना बंद भी करो।

अगर आपको जो चाहिए, उसके लिए अभी त्याग नहीं करोगे, तो आपको जो चाहिए, उसे त्यागना पड़ेगा।

धनवान बनना कोई लक्ष्य नहीं है 3 साल में 5 करोड़ कमाना लक्ष्य है।

अगर आपको लोग सिरफिरा नहीं मान रहे हैं तो यह तय मानें कि आप बहुत बड़ा नहीं सोच रहे।

आप मुझे बेशक संघर्ष करते हुए देखेंगे, लेकिन आप कभी मुझे लक्ष्य को पाने का प्रयास करना बीच में छोड़ते नहीं देखेंगे।

यदि आप वाकई महान बनना चाहते हैं, तो लोगों की इजाजत लेना बंद कीजिए।

यह बिजनेस है।

आप अपने व्यक्तिगत भावनाएं कृपया दरवाजे के बाहर ही छोड़कर आएं।

सफलता की बुनियाद तो काम करना ही है।

हमारा जीवन हमारी सोच का ही परिणाम है इसलिए अपनी क्षमताओं का बेहतरीन उपयोग करें। वहीं पर जहां पर आप अभी हैं और आपके पास जो कुछ भी उपलब्ध है।

हमारी खुशियां इस चीज पर निर्भर नहीं करती कि हमारे पास क्या है। बल्कि इस चीज पर निर्भर करती हैं कि हमारे पास जो है, हम उसके लिए कैसा सोचते हैं। हो सकता है हम बहुत थोड़े में भी बहुत खुश हों और बहुत अधिक पाकर भी इतना खुश ना हों।

आपका किसी भी काम को करने के प्रति क्या रवैया है, यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है।

हम अपने भाग्य विधाता खुद ही हैं, हमारी सोच और हमारा काम ही हमारे भाग्य का निर्माण करता है। क्योंकि आप हवाओं का रुख तो बदल नहीं सकते, लेकिन आप अपने नौका की पाल का रुख बदल कर आगे बढ़ सकते हैं।

मैंने इस चीज का एहसास किया है कि जिंदगी में मैंने जो सफलताएं पाई हैं वो मेरी असफलताओं की बदौलत है। मैंने जो ताकत हासिल की है, वह मेरी कमजोरियों की बदौलत है। और मेरा व्यक्तित्व मेरी ही सीमाओं की बदौलत है।

कभी-कभी बेहद उटपटांग सा लगने वाला विचार भी एक महान सफलता में परिवर्तित हो जाता है।